2020

Q.05 Discuss the Principles and steps of Interviewing?

Ans:- Interview एक लंबा Process है जिसे कई Principle से होकर गुजरना पड़ता है अतः Korchin (1986) के अनुसार इसके कई Principles है जिसके आधार पर Interview को तीन मुख्य step मे बाँटा गया है :-

(1) First step - Begining stage :- इस stage मे Interview के संचालन के लिए तैयारी की जाती है और Response अर्थात् Interview देने वाले के साथ support स्थापित किया जाता है।

इस अवस्था मे यह तय किया जाता है कि किस प्रकार के Interview का उपयोग किया जायेगा। अगर structured Interview के व्यवहार करने का निर्णय लिया जाता है तो इसके लिए Schedule की रचना करना जरूरी होता है समस्या के अनुकूल Schedule तैयार किया जाता है अगर unstructured Interview के व्यवहार करने का निर्णय लिया जाता है तो Interviewer उसी के अनुकूल पूछे जाने वाले मुख्य प्रश्नो की ~~...~~ मानसिक तैयारी करता है अगर Group Interview का निर्णय ~~...~~ लिया जाता है तो Interviewer यह निर्णय करता है कि एक समय मे कितने Respondent का Interview लिया जायेगा। और Interview का duration क्या होगा? अगर Individual Interview के व्यवहार का निर्णय

Gesture and facial expression का भी उपयोग कर सकता है। जब Interviewer को यह विश्वास हो जाता है कि Respondent का संकोच दूर हो गया और वातावरण अनुकूल बन गया तो Interview शुरू कर देता है।

② Second stage - middle stage :- इस stage में Interviewer, Respondent को Interview के उद्देश्य को बता देता है और उससे अनुरोध करता है कि वह सहयोग करे इसके बाद प्रश्न उत्तर का सिलसिला शुरू कर दिया जाता है शुरू में सरल प्रश्न पूछे जाते हैं और बाद में सामान्य Nature के प्रश्न पूछे जाते हैं इसी प्रकार शुरू में open ended Question पूछे जाते हैं और बाद में closed Question पूछे जाते हैं! Interviewee पूरी तरह Active रहता है और Respondent के Answer को Record करता जाता है यहाँ सही सूचना प्राप्त करने के संदर्भ में Interviewer की भूमिका काफी महत्वपूर्ण है! जब वह Interest के साथ पूरी तत्परता से Respondent के उत्तरों को सुनता है तो उससे उत्तर देने में रुचि मिलती है, प्रोत्साहन मिलता है और वह पूरी Information देता है अगर Interviewer उदासीन बना रहता है तो Respondent उपेक्षित महसूस करता है और पूरी सूचनाएं सही तौर पर नहीं दे पाता है! अतः एक Trained Interviewer हमेशा Active रहता है और पूरी रुचि के साथ

Respondent के उत्तरों को सुनता है अगर Respondent किसी प्रश्नों के उत्तर देने संकोच महसूस करता है तो Interviewer उसे प्रोत्साहित करता है वह Respondent को अपने शारीरिक हाव - भाव से भी प्रोत्साहित करता है ताकि वह ज्यादा सूचना दे सके।

③ Third step - final stage है। इस stage मे Interview का समापन हो जाता है लेकिन end के पहले Interviewer को कुछ जरुरी बातो पर ध्यान देना होता है :-

(a) अगर structured Interview हो और कोई प्रश्न पूछे बिना छुट गया हो तो इस stage मे उस प्रश्न को पूछ कर उत्तर हासिल कर लेना चाहिए ! अगर unstructured Interview हो और Interviewer को महसूस हो कि कोई जरुरी प्रश्न पूछना वह भूल गया था या छुट गया हो तो इस stage मे उस प्रश्न को पूछ कर जवाब मालूम कर लेना चाहिए !

Respondent को Interview मे सहयोग करने और अपना कीमती समय देने के लिए Thanks कहे चाहिए और इस तरह विदा करना चाहिए कि वह जरूरत पड़ने पर फिर Interview के लि Interest के साथ तैयार हो सके अतः Interview के आधार पर प्राप्त सूचनाओ एक स्पष्ट और subjective Report तैयार करना

लिया जाता है तो यह भी तय किया जाता है कि इसका duration क्या होगा? इसी तरह और किसी दूसरे प्रकार के Interview का व्यवहार करना हो तो उससे संबंधित बातों को स्पष्ट किया जाएगा।

इस अवस्था में Respondent के साथ बातचीत द्वारा support स्थापित करना जरूरी होती है Interview का वातावरण नया और अजनबी होता है Respondent को इस बात की चिंता रहती है कि पता नहीं उससे किस प्रकार के प्रश्न पूछे जाएंगे और वह किस तरह उत्तर देगा यह शायद वह भयभीत रहता है कि पता नहीं Interview लेने वाला व्यक्ति कैसा व्यक्ति होगा? वह किस तरह का व्यवहार करेगा? उसको इस बात का भय रहता है कि कहीं Interview लेने वाला उसकी कमजोरियों को न जान ले इन सारी कठिनाईयों को दूर करना जरूरी है ~~इन सारी कठिनाईयों को दूर करना जर~~ ताकि समुचित सूचनाएं प्राप्त हो सके इन कठिनाइयों को दूर करने के लिए Interviewer conversation के आधार पर Respondent के साथ support स्थापित करने की कोशिश करता है।

इस stage में verbal communication के साथ साथ Non-verbal के आधार पर भी Respondent के संकोच को दूर करने और सामान्य बनाने का प्रयास किया जाता है इसके लिए Interviewer अनुकूल body

इस्तेमाल होता है। Report बनाते समय Interviewer को कई बातों पर ध्यान देना चाहिए जैसे Report सरल और स्पष्ट भाषा में ही हो, Report मध्य लंबाई का हो, वस्तुनिष्ठ हो तथा प्राप्त Information पर आधारित सभी निष्कर्ष को मिलाकर चलता है।

——— X ——— X ———